ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग, उत्तराखण्ड, पौड़ी।

COVID-19 के प्रकोप के बाद उत्तराखण्ड के पर्वतीय जनपदों में लौटे Reverse Migrants की सहायता हेतु सिफारिशें

अप्रैल 2020

पृष्ठभूमि

उत्तराखण्ड सरकार ने राज्य के पर्वतीय जनपदों के ग्रामीण क्षेत्रों से हो रहे पलायन को एक बड़ी चुनौती के रूप में लिया है तथा कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। हाल ही में COVID-19 के प्रकोप के बाद उत्तराखण्ड के हजारों मूल निवासी पर्वतीय जनपदों में अपने घर लौटे हैं। अतः यह आवश्यक है कि राज्य सरकार उनके सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए विशेष कदम उठाये। यह उनके आर्थिक पुनर्वास के लिए महत्वपूर्ण कदम होगा तथा प्रकोप के पश्चात इनके पलायन को रोकने में भी सहायक होगा।

उभरता परिदृश्य एवं उसका विश्लेषण

1. COVID-19 के प्रकोप के पश्चात उत्तराखण्ड के हजारों मूल निवासी पर्वतीय जनपदों में अपने घर लौटे हैं। ये लोग भारत के विभिन्न भागों से तथा विदेशों से भी उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में लौटे हैं। प्रकोप से पूर्व में ये Reverse Migrants होटलों, रेस्टोरेंटों तथा अन्य प्रतिष्ठानों में कार्यकर रहे थे। प्रकोप के बाद होटल, रेस्टोरेंट तथा प्रतिष्ठान बंद होने के बाद ये लोग अपने परिवार के पास गांवों में लौटे हैं। इनमें कई छात्र, छोटे व्यापारी एवं पेशेवर (Professionals) लोग भी हैं।

   निम्नलिखित तालिका में विभिन्न जनपदों में Reverse Migrants की संख्या दर्शायी गयी हैः–

Sl. No.	Name of district	Number of Returnees / Reverse Migrants
1	Almora	9303
2	Bageshwar	1541
3	Chamoli	3214
4	Champawat	5707
5	Nainital	4771
6	Pauri	12039

7	Pithoragarh	5035
8	Rudraparyag	4247
9	Tehri	8782
10	Uttarkashi	4721
	Total	**59360**

2. उक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि COVID-19 के प्रकोप के पश्चात सबसे अधिक Reverse Migration पौड़ी जनपद में हुआ है, जो कि इस बात की भी पुष्टि करता है कि इस जनपद से सबसे अधिक पलायन हुआ है। इसके पश्चात् जनपद अल्मोड़ा का स्थान है क्योंकि इस जनपद से भी अधिक पलायन हुआ है। अन्य पर्वतीय जनपदों में भी हजारों Reverse Migrants लौट आये हैं।

निम्नलिखित तालिका में विकास खण्डवार Reverse Migrants की संख्या दर्शायी गयी है। यह भी स्पष्ट्ट है कि Reverse Migrants अधिकतर ग्राम पंचायतों में लौटे हैं।

Name of district	**Name of Block**	**Number of returnees**
Almora	Lamgara	873
	Dwarahat	701
	Sult	1506
	Dhauladevi	542
	Takula	1581
	Bhikyasain	772
	Syalde	1566
	Chaukhutiya	390
	Hawalbag	173
	Tadikhet	725
	Bhaisiyachhana	474
Total		**9303**
Bageshwar	Bageshwar	705

	Garur	412
	Kapkot	424
Total		**1541**
Chamoli	Chamoli	374
	Gairsain	532
	Ghat	221
	Joshimath	209
	Karanparyag	445
	Narayanbagar	519
	Pokhari	161
	Tharali/Deval	753
Total		**3214**
Champawat	Champawat	1811
	Lohaghat	924
	Pati	1803
	Barankot	1169
Total		**5707**
Nainital	Haldwani	892
	Ramgarh	347
	Okhalkanda	435
	Dhari	191
	Betalghat	912
	Bheemtal	361
	Kotabagh	824
	Ramnagar	809
Total		**4771**
Pauri	Yamkeshwar	897
	Thalisain	1637
	Rikhnikhal	708
	Pokhara	637
	Pauri	588
	Pabo	561

	Nainidanda	968
	Kot	734
	Khirsu	403
	Kaljikhal	383
	Jaihrikhal	292
	Eakeshwar	1081
	Dwarikhal	1117
	Dugadda	851
	Beerokhal	1182
Total		**12039**
Pithoragarh	Munakot	486
	Vin	682
	Dharchula	450
	Berinag	512
	Didihat	759
	Gangolihat	1227
	Musiyari	348
	Kanalichchina	571
Total		**5035**
Rudraparyag		
	Ukhimath	967
	Jakholi	1543
	Augastmuni	1737
Total		**4247**
Tehri	Bhilangna	376
	Chamba	414
	Devparyag	187
	Jakhnidhar	1755
	Jaunpur	992
	Kirtinagar	1024
	Narendranagar	1856
	partapnagar	1265

	Thauldhar	913
Total		**8782**
Uttarkashi	Bhatwari	1056
	Dunda	1372
	Chiyalisaur	989
	Naugaon	569
	Purola	512
	Mori	223
Total		**4721**
Grand Total		**59360**

3. Reverse Migration करके आये लोगों की आय या तो शून्य हो गयी है या काफी कम हो गयी है। इससे इनके परिवारों की remittance income भी घट गयी है। अतः राज्य के पर्वतीय जपदों की ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादातर परिवारों की Household income कम हो जाएगी। यह भी अनुमान लगाया जा सकता है कि पर्वतीय जनपदों की District GDP भी कम हो जायेगी।
4. यह कह पाना मुश्किल है कि स्थिति कब सामान्य होगी तथा सामान्य होने के बाद यह लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहेंगे या पुनः पलायन करेंगे। लेकिन यह स्पष्ट है कि इनमें से अधिकतर लोग न तो कृषि/बागवानी करेंगे क्योंकि प्रति परिवार भूमि कम है, न ही मनरेगा में कार्य करना चाहेंगे।
5. विभिन्न जनपदों से प्राप्त सूचना तथा कुछ Reverse Migrants से दूरभाष पर हुई चर्चा से निम्नलिखित तथ्य स्पष्ट है कि अधिकतर लोग–
   (क) उत्तराखण्ड के विभिन्न शहरों जैसे कि देहरादून, ऋषिकेश, कोटद्वार, रूद्रपुर, रामनगर, हल्द्वानी, अल्मोड़ा, पौड़ी से आए हैं। (लगभग 25% से 30%)
   (ख) भारत के विभिन्न राज्यों जैसे कि दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तमिलनाडु, गोवा, महाराष्ट्र इत्यादि से लौटे हैं। (लगभग 60% से 65%)
   (ग) विदेशों से जैसे दुबई, ओमान, आयरलैंड, चीन, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया इत्यादि से भी लौटे हैं (लगभग 3% से 5%)।

6. अधिकतर लोग अकेले लौटे हैं, लेकिन कुछ परिवार सहित भी लौटे हैं।
7. अधिकतर Reverse Migrants 30 से 45 वर्ष के आयु वर्ग के हैं।
8. Reverse Migrants की मुख्य पृष्ठभूमि निम्नानुसार हैः–
   (क) आतिथ्य क्षेत्र (Hospitality Sector) या अन्य सेवा क्षेत्र जैसे– चालक
   (ख) स्वरोजगार जैसे कि छोटे व्यवसाय
   (ग) छात्र
   (घ) पेशेवर (Professionals) जैसे कि Chef/IT इत्यादि
9. उक्त बिन्दु 8(क) एवं 8(ख) के अधिकतर Reverse Migrants यह दुविधा में हैं कि वह पुनः पलायन करें या राज्य के पर्वतीय जनपदों में ही रहें। इनमें से लगभग 30 प्रतिशत लोग ही राज्य में रहने की इच्छा व्यक्त कर रहे हैं।
10. बिन्दु 8(ग) एवं 8(घ) के अधिकतर लोग पुनः वापस जाने की इच्छा व्यक्त कर रहे हैं। लेकिन उनको यह स्पष्ट नहीं है कि स्थिति कब सुधरेगी।
11. जब इनसे पूछा गया कि इनके लिए गांवों में ही रहने के लिए क्या बाधाऐं हैं तो मुख्य कारण आजीविका की कमी, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य सुविधाओं का अभाव बताया गया। कई Reverse Migrants ये भी कह रहे हैं कि उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में पूर्ण ज्ञान नहीं है।
12. COVID-19 लॉक डाउन खुलने के बााद विभिन्न स्थानों पर रह रहे उत्तराखण्ड के **और भी मूल निवासियों की वापसी की संभावनाऐं भी हैं।**

प्रक्रिया एवं पद्धति

आयोग द्वारा कई Reverse Migrants से जनपद स्तर के अधिकारी, NGO's तथा अन्य विशेषज्ञों से दूरभाष, E-mail, Whatsapp द्वारा feedback एवं सुझाव लिए गए जिसके आधार पर निम्नलिखित सिफारिशें प्रस्तुत की जा रही हैंः

सिफारिशें

1. यह आवश्यक है कि Reverse Migrants के आर्थिक पुनर्वास हेतु राज्य सरकार विशेष कार्यक्रम चलाए। इससे उत्तराखण्ड के पर्वतीय जनपदों में

ग्रामीण विकास और सुदृढ़ होगा, सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियाँ सुधरेंगी जिससे राज्य से हो रहा पलायन भी कम होगा।

2. इस प्रक्रिया से Reverse Migrants को पर्वतीय जनपदों में ही रहकर आजीविका की सुविधाऐं उपलब्ध होंगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाऐं भी सुदृढ़ होंगी।
3. कृषि/बागवानी/पशुपालन तथा स्वरोजगार पर ही Focus किया जाना चाहिए। सभी विभाग Reverse Migrants के आर्थिक पुनर्वास हेतु अपनी योजनाओं में (यदि आवश्यक हो) बदलाव करें।
4. **COVID-19 के प्रकोप के बाद राज्य में आये Reverse Migrants अपने–अपने क्षेत्र में काफी अनुभवी हैं।** जैसे कि– आतिथ्य क्षेत्र एवं अन्य सेवा क्षेत्र। इनका लाभ होम स्टे, होटल, ईको–टूरिज्म, साहसिक खेल आदि में मिल सकता है। इनमें से कई लोग अपने अनुभव के आधार पर अपने जनपद में ही रह कर आजीविका उत्पन्न करने में सफल हो सकते हैं।
5. राज्य एवं जनपद स्तर पर नियोजन विभाग या ग्राम्य विकास विभाग में इस कार्य को सफल बनाने हेतु विशेष इकाई (Dedicated Cell) तुरंत स्थापित की जानी चाहिए। यह इकाई ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग के साथ Reverse Migrants के पुनर्वास के सभी कार्यों का समन्वय करेगी।
6. इन सभी लोगों से व्यक्तिगत स्तर पर सम्पर्क स्थापित करना आवश्यक है, जिससे इनके अनुभवों, रूचि एवं आवश्यकताओं के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके। इस जानकारी से एक डेटाबेस तैयार किया जाना चाहिए, जो कि राज्य एवं जनपद स्तर की इकाईयों में उपलब्ध होगा। प्रत्येक व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह के लिए रणनीति बनाई जाये जिससे की ये लोग पुनः पलायन न करें।
7. इनमें से कई लोग सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में नहीं जानते हैं। विभिन्न विभागों के विकास खण्ड स्तर के अधिकारी इन Reverse Migrants से सम्पर्क स्थापित कर इनका मार्गदर्शन करेंगे तो इस प्रक्रिया को और सुदृढ़ बनाया जा सकता है।
8. इन Reverse Migrants के लिए एक Helpline बनायी जानी चाहिए ताकि इनकी आजीविका, ऋण तथा अन्य समस्याओं को सुलझाया जा सके।

9. आतिथ्य क्षेत्र, ईको टूरिज्म, Micro Enterprises आदि के लिए ब्याज मुक्त ऋण, सब्सिड़ी, सस्ती बिजली की निर्धारित दरें की जा सकती हैं।
10. इसके अतिरिक्त यह भी देखा गया है कि एम.एस.एम.ई., रोजगार सृजन योजना, वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली योजना आदि से ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे लोगों को काफी लाभ हो रहा है। इन योजनाओं में अतिरिक्त बजट का प्रावधान करना आवश्यक है।
11. COVID-19 के प्रकोप से राज्य में Reverse Migration की स्थिति को देखते हुए इन लोगों के आर्थिक पुनर्वास हेतु विशेष आर्थिक पैकेज दिया जाना अथवा बजट आवंटन किया जाना लाभकारी होगा। जिससे इनको लोन एवं सब्सिड़ी दी जा सके।
12. मूलभूत सुविधाओं जैसे कि सड़क, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा का अभाव पलायन का एक बड़ा कराण है। विभिन्न ग्राम पंचायतों में इस कमी की Mapping करायी जाए तथा विभिन्न योजनाओं से इन मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने से भी Reverse Migrants के पुनर्वास में लाभ होगा।
13. राज्य के विभिन्न जनपदों में COVID-19 के प्रकोप से पहले Reverse Migration करके आए काफी लोग ऐसे हैं जिन्होंने आर्थिक सफलता प्राप्त की है। इनका उदाहरण प्रस्तुत कर वर्तमान में Reverse Migrants को प्रोत्साहित किया जा सकता है।